आरंभ

दुनिया के चौथे और एशिया के सबसे बड़े नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का शिलान्यास हुआ

फ्रेट कॉरिडोर, एक्सप्रेसवे, बुलेट ट्रेन, मेट्रो से जुड़ने वाला पहला हवाई अड्डा होगा

एनसीआर और पश्चिमी यूपी के लोगों को सीधा फायदा मिलेगा

नोएडा | निशांत कौशिक

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के शिलान्यास के साथ गुरुवार को जेवर को हवाई यातायात के अंतरराष्ट्रीय मानचित्र पर अंकित करने की शुरुआत हो गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनसभा में लोगों को भरोसा दिलाया कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना को समय पर पूरा किया जाएगा।

इस एयरपोर्ट से वर्ष 2024 में हवाई जहाजों का संचालन शुरू करने की तैयारी है। यह एशिया का सबसे बड़ा एयरपोर्ट होगा, जो पूरे प्रदेश के विकास की नई राह खोलने के साथ उत्तर भारत का लॉजेस्टिक गेटवे भी बनेगा। इस एयरपोर्ट का सपना सबसे पहले वर्ष 2001 में देखा गया था। लेकिन उसके बाद अनेक दौर ऐसे आये, जब यहां पर हवाई अड्डे का निर्माण एक सपना लगने लगा था। सरकारें बदलने के साथ अनेक उतार-चढ़ाव आए और अंततः गुरुवार को प्रधानमंत्री के हाथों इसका शिलान्यास हुआ।

यह देश का पहला डिजिटल एयरपोर्ट होगा। यह ऐसा एयरपोर्ट होगा, जो सबसे कम समय में बनकर संचालित होगा। निर्माण साइट की मंजूरी से लेकर उड़ान शुरू होने में करीब सात साल लगेंगे। जबकि देश के अन्य एयरपोर्ट में 20 साल से अधिक का समय लगा। इस एयरपोर्ट के लिए नए जमीन अधिग्रहण कानून के तहत किसानों से जमीन ली गई है।

एयरपोर्ट	देश	क्षेत्रफल हेक्टेयर में	रनवे	यात्री संख्या	विमान संख्या	माल ढुलाई
नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट (प्रस्तावित)	भारत	6200	5	1.2 करोड़	अभी तय नहीं	अभी तय नहीं
किंग फहद इंटरनेशनल एयरपोर्ट	सउदी अरब	77.60	2	97 लाख	90 हजार	1.40 लाख टन
डेनवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट	अमेरिका	13,571	6	3.37 करोड़	4.42 लाख	2.35 लाख टन
डलास इंटरनेशनल एयरपोर्ट	अमेरिका	6,963	7	3.93 करोड़	5.14 लाख	8.71 लाख टन
ऑरलैंडो इंटरनेशनल एयरपोर्ट	अमेरिका	5,383	4	2.16 करोड़	2.18 लाख	2.23 लाख टन
वॉशिंगटन डुलल्स इंटरनेशनल एयरपोर्ट	अमेरिका	4,856	5	83 लाख	1.51 लाख	1.97 लाख टन

(विश्व के हवाई अड्डों को लेकर अलग-अलग संस्थाओं के आंकड़ों में अंतर हो सकता है। यात्री संख्या, विमान संख्या और माल ढुलाई सालाना है। नोएडा एयरपोर्ट के आंकड़े केवल पहले चरण की प्रस्तावित स्थिति को दर्शाते हैं।)

हवाई अड्डे तक संपर्क बेहतर होगा

तकनीक पर खास जोर

एप से टिकट बुकिंग

यहां टिकट बुक करने से लेकर सफर पूरा करने तक सब कुछ मोबाइल से होगा। इसका अपना एप होगा और उससे यात्री टिकट बुक कर सकेंगे।

पेपर का इस्तेमाल नहीं

इस एयरपोर्ट पर यात्री सेवाओं में किसी भी जगह पेपर का उपयोग नहीं होगा और न ही प्रवेश या निकासी के समय किसी कर्मचारी की जरूरत पड़ेगी।

क्यूआर कोड से प्रवेश

यात्री को क्यूआर कोड मिल जाएगा। इसी क्यूआर कोड से प्रवेश गेट पर दिखाते ही वह स्कैन हो जाएगा और गेट खुल जाएगा। सफर के दौरान भी टिकट की जरूरत नहीं होगी।

कार्बन उत्सर्जन नहीं

निर्माण में ऐसे मेटल का उपयोग किया जाएगा, जिससे कार्बन का उत्सर्जन न हो। यह पूरी तरह से प्रदूषण मुक्त होगा। वह इस योजना को लेकर उत्साहित हैं। इससे न केवल विकास होगा बल्कि आर्थिक भागीदारी भी बढ़ेगी।

मेट्रो से जुड़ेगा हवाई अड्डा

जेवर एयरपोर्ट को मेट्रो से जोड़ने की डीपीआर तैयार हो गई है। जेवर मेट्रो को एक्वा लाइन मेट्रो के नॉलेज पार्क-2 से जोड़ा जाएगा। इससे आईजीआईए, दिल्ली व अन्य शहरों तक कनेक्टिविटी बढ़ेगी।

बुलेट ट्रेन का कॉरिडोर बनेगा

दिल्ली-वाराणसी बुलेट ट्रेन का कॉरिडोर गौतमबुद्ध नगर से गुजरेगा। दिल्ली में सराय काले खां से बुलेट ट्रेन चलने के बाद नोएडा में सेक्टर-148 पहला पड़ाव होगा। इसके बाद जेवर एयरपोर्ट में रुकेगी। करीब 62.5 किलोमीटर की यह दूरी करीब 21 मिनट में तय हो जाएगी।

आईजीआई हाईवे से जुड़ेंगे

नए एयरपोर्ट को आईजीआई व एनसीआर के शहरों से जोड़ने के लिए कई विकल्पों पर काम शुरू हो गया है। यमुना एक्सप्रेस वे से ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस वे जोड़ा जाएगा। यमुना एक्सप्रेसवे पर ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस वे पर अभी इंटरचेंज नहीं है।